



नागोया (एजेंसी)। एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बहुत ही शुभ रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने एक मिनिट के अंदर 2 गोल्ड मेडल जीते। बॉक्सर अंकुश पंचाल ने पुरुषों की 80 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। इससे ठीक एक मिनिट पहले सुजीत कलकल ने रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में सोना अपने नाम किया। इससे पहले बॉक्सर

परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा और लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। पहली बार 3 भारतीय मुक्केबाज एशियन गेम्स में चैंपियन बने हैं। सुबह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व इवेंट में भी गोल्ड दिलाया।



एशियन गेम्स-26 में भारतीय मुक्केबाजों का 'गोल्डन' पंच

लवलीना और परवीन के बाद अंकुश ने भी जीता सोना

रेसलर सुजीत कलकल भी छाप, लगाया गोल्डन दांव

विमेंस हॉकी को एशियाड में 44 साल बाद गोल्ड

भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। भारत के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया। इससे पहले भारत ने 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। भारत की महिला हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है।

● सुजीत कलकल ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता गोल्ड- भारत के सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीत लिया। फाइनल में सुजीत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कुदिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय सुजीत 2-9 से पीछे थे और सिर्फ 1 मिनिट 40 सेकंड का खेल बाकी था। इसके बाद उन्होंने लगातार टेकडाउन किए और तेजी से तीन बार 2-2 अंक जुटाकर स्कोर 8-9 तक पहुंचा दिया। आखिरी 11 सेकंड में सुजीत ने एक और टेकडाउन किया।

अंतरिक्ष से ही तस्वीरों को समझकर तुरंत जानकारी भेजेगा

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीट्रोस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्ट-18 मिशन से रात 11.48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग

सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।



अंतरिक्ष में ही डेटा की छंटाई करेगा सैटेलाइट- अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी के मुताबिक अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है।

संक्षिप्त

समाचार

धर्म संकट में आया तो देश भुगतेगा खामियाजा

- मागवत बोले-धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।



भारत से ही हर समस्या का समाधान

भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या लोगों का धर्म बदलने की कोशिश किए बिना अपना ज्ञान दुनिया से साझा किया। दुनिया जानती है कि भारत भारत से निकलेगा। भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है। इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतो की शिक्षाएं भी शामिल हैं।

पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ का बड़ा ऐवशन दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए, भारतीय इलाके में घुसने की कर रहे कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने शुक्रवार दिन में दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को डेर कर दिया। ये कार्रवाई दिन के करीब 12 बजे की है। अधिकारियों के मुताबिक, इंटरनेशनल बॉर्डर पार करके दो पाकिस्तानी घुसपैठिये भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बीएसएफ की टीम ने उन्हें देख लिया। जैसे ही जवानों को उन



पर शक हुआ तो बीएसएफ ने कार्रवाई की, जिसमें दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए। बीएसएफ से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तानी घुसपैठिये दोपहर करीब 12 बजे पंजाब के तरनतारन इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, घुसपैठियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पूरे मामले में पंजाब पुलिस, बीएसएफ के साथ मिलकर अग्रे की कार्रवाई में जुटी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।

बॉर्डर पर संदिग्ध हलचल के बाद बीएसएफ की कार्रवाई

अधिकारियों के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ जवानों ने दोपहर के समय इलाके में कुछ संदिग्ध हलचल देखी। जवानों ने चेतावनी दी, नहीं माने तो गोली मार दी।

एसआईआर के बाद छूटे नामों पर फोकस

- 20 राज्यों में विशेष अभियान चलाएगा चुनाव आयोग
- एसआईआर में छूटे और नए मतदाताओं के नाम जुड़ेगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटीसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें एसआईआर के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया। पहले और दूसरे फेज में 13 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, तीसरे फेज में 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित



प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया जारी है। इनमें से 7 राज्यों में लिस्ट जारी हो चुकी है। हालांकि, ईसी ने तीसरे फेज के 7 राज्यों के नाम नहीं बताए हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दो करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से बाहर हुए हैं।

हटाए गए नामों की भी जांच होगी

इसके अलावा आयोग ने ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें आईआईटी या आईआईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। जरूरत के मुताबिक सॉफ्टवेयर में बदलाव किए जाएंगे। चुनाव आयोग इस मामले में तैयारी कर चुका है।

तमिलनाडु में हाईवे

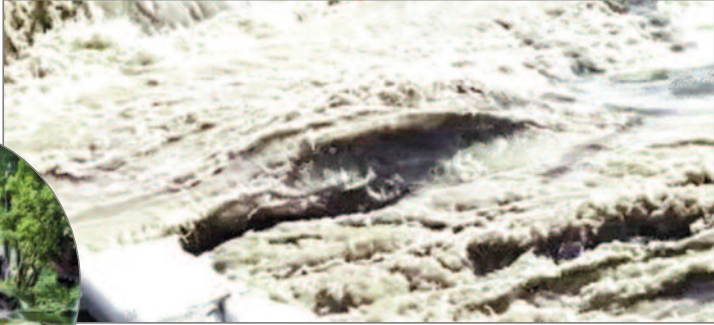
बोर्ड पर हिंदी लिखने पर 2 अधिकारी सस्पेंड

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को नेशनल हाईवे साइनबोर्ड पर हिंदी लिखने के मामले में दो असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया। मामला तृतीकोरिन के सत्तानकुलम-नाजरेथ स्टेट हाईवे का है, जहां नए साइनबोर्ड पर तमिल और अंग्रेजी के साथ कस्बों के नाम हिंदी में भी लिखे गए थे। तमिलनाडु सरकार के मुताबिक यह राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन है। हिंदी हटाने के साथ दोनों अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 2026 में हिंदी में लिखे नाम मिटाने का तीसरा मामला है। इससे पहले मार्च में तिरुचिरापल्ली डिविजनल रेलवे ऑफिस के नए भवन के एंट्री गेट पर लिखा कर्तव्य द्वार मिटाया गया था। मार्च में ही सिंगानल्लूर रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे सिंगानल्लूर को ब्रिबिडियन दलों के कार्यकर्ताओं ने काला कर दिया था।



नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है। गोंडा में चापरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी



है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से पानी आने और 10 टटबलों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग प्रभावित हैं। 44 हजार

लोग घर छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है। राजस्थान के बीकानेर में बारिश हो सकती है। मानसून में 22 फीसदी कम बारिश हुई।

गोंडा में 25 हजार लोग फंसे, बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी

यूपी में 15 नदियां उफनाई गोंडा में 30 गांव टापू बने

यूपी में बारिश थम गई है, लेकिन नदियां अब भी उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। हजारों बीघे धान की फसल डूब गई। सड़कें जलमग्न हैं। घरों-दुकानों में पानी भर गया है। लखनऊ में सई-गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हैं। बाराबंकी में सरयू उफान पर है। 1100 साल पुराने बाबा नारायण दास मंदिर का एक हिस्सा 4 दिन से नदी में लटका है। कुशीनगर में गंडक नदी लगातार कटान कर रही है। 148 घंटे में 6 रिहायशी झोपड़ियां और 2 पक्के मकान नदी में समा चुके हैं। गोंडा में चापरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं।

पीएम मोदी से वीडियो कॉल पर बोले पायलट स्मित मखार

मैं घायल था, लेकिन यात्रियों को मरते नहीं देख सकता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईड्यूबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मखार से वीडियो कॉल पर बात की और एक बड़े विमान हादसे को टालने के लिए उनके अदम्य साहस की सराहना की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान ओमानी मूल के को-पायलट ने कैप्टन

स्मित पर चाकू से हमला कर विमान को क्रेश कराने की कोशिश की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ से कॉकपिट का



30 सेकंड में करीब 14,000 फीट नीचे आ गया था, जिसे विमान में मौजूद दो अन्य ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने संभालते हुए सऊदी अरब पहुंचाया।

● गंभीर चोट के बाद भी आपने यात्रियों की जान को प्राथमिकता दी- अस्पताल के बिस्तर से बात कर रहे कैप्टन स्मित से प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके साहस, धैर्य और सूझबूझ ने अनगिनत लोगों की जान बचाई है। आप खुद गंभीर रूप से घायल थे और जिंदगी की जंग लड़ रहे थे, फिर भी आपने अपनी परवाह किए बिना यात्रियों की जान की चिंता की। आज आपके इस पराक्रम से 140 करोड़ भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अगर यह विमान हादसा नहीं रुकता, तो न जाने भारतीय पायलटों और देश को किस तरह की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ता। कैप्टन ने सभी की जान बचाकर एक असाधारण काम किया है।

यूसीसी लागू करने वाला गुजरात बना दूसरा राज्य

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली मंजूरी, लागू हुआ कानून

मार्च, 2026 में विधानसभा से पास हुआ था यह बिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने को अपनी स्वीकृति दे दी है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता कानून को विधानसभा में पारित करके राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा था। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात दूसरा राज्य हो गया है जहां पर यूनिफॉर्म सिविल कोड प्रभावी हो गया है। देश में सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुआ था। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि केंद्र

सरकार 2029 से पहले सभी एनडीए शासित राज्यों में यूसीसी लागू करेगी। गुजरात में बीजेपी ने इसे 2022 विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में रखा



था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद, गुजरात भारत का दूसरा ऐसा राज्य बन गया है जिसे यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की मंजूरी मिली है। गुजरात में आदिवासी समाज को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। गुजरात विधानसभा ने मार्च में साढ़े सात घंटे की लंबी चर्चा के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास किया था।

संपादकीय

भाषा की मर्यादा और संतुलन को बनाए रखना जरूरी

जंतर मंतर पर चुनाव आयोग को खिलाफ चल रहे प्रदर्शन के दौरान कुछ महिलाओं द्वारा पुरुष विरोधी नारे लगाए गए हैं जिससे पूरा देश स्तब्ध और हैरान है। आंदोलन के दौरान मुद्दे की लीक से हटते हुए इस प्रकार के नारे लगाना क्या किसी सोच का हिस्सा है या फिर जानबूझकर से प्लांट किया गया। किसी भी सामाजिक आंदोलन का उद्देश्य समाज में व्याप्त समस्याओं को सामने लाना और उनके समाधान की दिशा में जनमत तैयार करना होता है। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। लैंगिक समानता, महिलाओं की सुरक्षा, कार्यस्थल पर सम्मान और भेदभाव के विरोध जैसे विषयों पर युवाओं की सन्निधता एक स्वस्थ लोकतांत्रिक संकेत है। किंतु प्रश्न तब उठता है जब किसी आंदोलन के दौरान ऐसे नारे लगाए जाने लगते हैं जो किसी संपूर्ण वर्ग, विशेषकर पुरुषों, को कटघरे में खड़ा करते प्रतीत हों। हमें यह स्वीकार करना होगा कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव जैसी समस्याएं वास्तविक हैं और उनके समाधान के लिए गंभीर सामाजिक प्रयास आवश्यक है। इन मुद्दों को उठाना न केवल उचित है, बल्कि एक जिम्मेदार समाज की पहचान भी है। परंतु किसी समस्या के विरोध और किसी पूरे वर्ग के प्रति नकारात्मक धारणा बनाने के बीच एक स्पष्ट अंतर है। जब आंदोलन की भाषा समस्या से हटकर किसी पूरे लिंग को दोषी ठहराने लगे, तब संवाद की जगह टकराव पैदा होने लगता है। समाज पुरुषों और महिलाओं दोनों से मिलकर बना है। दोनों की सहभागिता के बिना न तो परिवार चल सकता है और न ही सामाजिक प्रगति संभव है। ऐसे में यदि किसी आंदोलन की अभिव्यक्ति इस प्रकार हो कि वह एक पक्ष को शत्रु और दूसरे को पीड़ित के रूप में स्थायी रूप से प्रस्तुत करे, तो इससे समाधान की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं। सामाजिक सुधार का मार्ग सहयोग, संवाद और जागरूकता से निकलता है, न कि परस्पर अविश्वास से। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी समूह में अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग होते हैं। कुछ व्यक्तियों के गलत आचरण के आधार पर पूरे वर्ग को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। जिस प्रकार महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह अनुचित है, उसी प्रकार पुरुषों के प्रति सामूहिक पूर्वाग्रह भी स्वस्थ सामाजिक सोच का हिस्सा नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलनों की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दी जाए। नारे ऐसे हों जो समस्या पर चोट करें, व्यक्ति या समूह विशेष के प्रति घृणा न फैलाएं। यदि उद्देश्य समानता, सम्मान और न्याय है, तो आंदोलन की भाषा भी इन्हीं मूल्यों को प्रतिबिंबित करनी चाहिए। आक्रोश किसी समस्या की और ध्यान आकर्षित कर सकता है, लेकिन स्थायी समाधान संतुलित विचार और रचनात्मक संवाद से ही निकलते हैं। किसी भी आंदोलन की सफलता इस बात से नहीं मापी जाती कि उसने कितनी तीखी भाषा का प्रयोग किया, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि उसने समाज को कितना जागरूक, संवेदनशील और न्यायपूर्ण बनाया। इसलिए जैन-जी हो या कोई अन्य पीढ़ी, सामाजिक बदलाव की लड़ाई में भाषा की मर्यादा और संतुलन को बनाए रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि स्वयं मुद्दे को उठाना।



सनत जैन

अब फॉर्म 7 में धांधली...
केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या-क्या गुल खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या



कालिलाल मांडोट

समुद्री सीमा की चौकसी के साथ समाज को भी बनना होगा नशामुक्ति की मजबूत दीवार...
भारत की समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की एक और बड़ी खेप पकड़े जाने ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा पीढ़ी और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुका है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते और भारतीय तटरक्षक बल ने 25 सितंबर 2026 को लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में संयुक्त अभियान चलाकर एक इरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा गया है। यह कार्रवाई केवल एक खेप पकड़ने की घटना नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी जानकारी के अनुसार अभियान खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया और समुद्री तथा हवाई निगरानी के बाद संदिग्ध नाव को रोका गया। नाव और पकड़े गए लोगों को मुंबई लाकर आगे की संयुक्त जांच शुरू की गई है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के पीछे कौन लोग हैं, माल के संचालित प्राप्तकर्ता कौन थे और इसके आर्थिक लेनदेन की कड़ियां कहाँ तक जाती हैं। जांच से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि खेप को भारत में पहुंचाने के बाद आगे दूसरे राज्यों तक ले जाने का योजना थी। रिपोर्टों में एक नाइजीरियाई व्यक्ति और पाकिस्तान से जुड़े कथित तस्करी नेटवर्क

चुनाव आयोग में प्याज की तरह परत दर परत खुलासा

में पन्ना प्रमुख जो एक राष्ट्रीय दल द्वारा बनाए गए थे उनकी और चुनाव आयोग की भूमिका अब खुलकर सामने आ गई है, जिसके कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक नई मुसीबत में आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज से मिलकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया। बीएलओ और क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों के अधिकार कंप्यूटर को देकर मतदाताओं के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी की गई है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान फॉर्म नंबर 7 की सहायता से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम भाजपा के पन्ना प्रमुखों के जरिये काटने का खेल पिछले दो साल से चल रहा है। इसका खुलासा राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में किए गए गड़बड़ घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है। केंद्रीय मुख्य

चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह भी नहीं ले रहे थे। चुनाव आयोग में मनमानी नियुक्ति कर रहे थे तथा चुनाव आयोग के पोर्टल में मनमर्जी से वो बदलाव कर चुनाव को प्रभावित कर रहे थे। वह मामला अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद तूल पकड़ गया है। सारे देश में आंदोलन चढ़ गया है। सारे विपक्षी दल अब सड़कों पर आ गए हैं। जिसके कारण अब हर मामला सबूतों के साथ खुलकर सामने आ गया है। अब इसको छिपा पाना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं दिख रहा है। जिस तरह से चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के ऊपर सीधे आरोप लगना शुरू हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के ऊपर अधिवक्ता समुदाय खुद सबूतों के साथ आरोप लगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता भी प्रदर्शन करने सुप्रीम कोर्ट के बाहर खड़े हो रहे हैं, जो अधिवक्ता अभी तक मुखर होकर अपनी बात नहीं कर पा रहे थे उन्हें अपनी प्रेक्टिस का डर था लेकिन अब वह भी खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं, जिसके कारण चुनाव आयोग और सरकार की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही हैं। 2 अक्टूबर से जिस तरह का प्रदर्शन आज देश भर में देखने को मिल रहा है,



का भी उल्लेख है। इन दावों की पूरी पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इसलिए किसी पूरे देश या समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को तस्करी से जोड़ना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती उन संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानना और तोड़ना है जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं। गुजरात के समुद्री क्षेत्र में इस वर्ष हुई कार्रवाइयां समस्या की गंभीरता का संकेत देती हैं। भारतीय तटरक्षक बल के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 16 फरवरी 2026 को गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त कार्रवाई में करीब 203 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पकड़ी गई थी। इसके बाद मई में मुंद्रा बंदरगाह के निकट करीब 118.977 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसकी कीमत 1,189 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई। इस मामले में पुलिस के अनुसार खेप को 2025 में जहाज में छिपाया गया था। सितंबर की 526 किलोग्राम की कार्रवाई इन घटनाओं के बीच सबसे बड़ी हालिया बरामदगी में शामिल है। इन आंकड़ों से यह समझना जरूरी है कि समुद्री मार्ग केवल सीमा की सुरक्षा का विषय नहीं है। समुद्र से आने

वाला अवैध माल यदि तट तक पहुंच जाए तो उसके बाद उसका फैलाव कई राज्यों और शहरों तक हो सकता है। इसलिए समुद्र में निगरानी, बंदरगाहों की सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच और राज्यों के बीच समन्वय एक साथ मजबूत करना होगा। केवल एक खेप पकड़ लेने से समस्या समाप्त नहीं होगी। असली सफलता तब होगी जब तस्करी के पूरे आर्थिक और आपराधिक नेटवर्क को कानून के दायरे में लाया जाए। नशे के खिलाफ लड़ाई का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष युवा पीढ़ी की सुरक्षा है। किसी भी समाज में मादक पदार्थों की मांग बनी रहेगी तो आपूर्ति रोकने के बाद भी नए रास्ते तलाशने वाले अपराधी सक्रिय रहेंगे। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, खेल संस्थान, सामाजिक संगठन और प्रशासन को मिलकर लगातार अभियान चलाना होगा। केवल भाषणों और पोस्टरों से काम नहीं चलेगा। युवाओं को खेल, कौशल विकास, रोजगार, रचनात्मक गतिविधियों और स्वस्थ सामाजिक वातावरण से जोड़ना होगा। माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में अचानक आने वाले

सारे देश के विपक्षी दल और कांक्रोच जनता पार्टी के आह्वान पर आंदोलन शुरू हो गए हैं। उसको देखते हुए अब नहीं लगता है कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट से चुनाव आयोग को कोई संरक्षण मिल पाएगा। ऐसी स्थिति में फॉर्म 7 की धांधली सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा अनशन और धरना देने से सबूतों के साथ शिकायत करने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचा पाना अब शायद न्यायपालिका के लिए भी संभव नहीं होगा। आगे किस तरह के हालात बनेंगे कहना मुश्किल है। जो अधिकार संसद के पास थे, उन अधिकारों का उपयोग केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया है। जो मनमानी की थी वह अब दस्तावेजी सबूत के रूप में सामने है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग में एक बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार ने जिस तरह से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी, वह विवाद भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। आगे क्या होगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाओं के कयास लगना शुरू हो गए हैं। इतना तय है कि अब इस मामले में कठोर कार्रवाई न्यायपालिका और सरकार दोनों को ही करना होगी अन्यथा इस मामले को शांत कर पाना संभव नहीं होगा।

अरब सागर से पंजाब तक नशे का नेटवर्क देश की सुरक्षा और युवा पीढ़ी के लिए बड़ी चुनौती

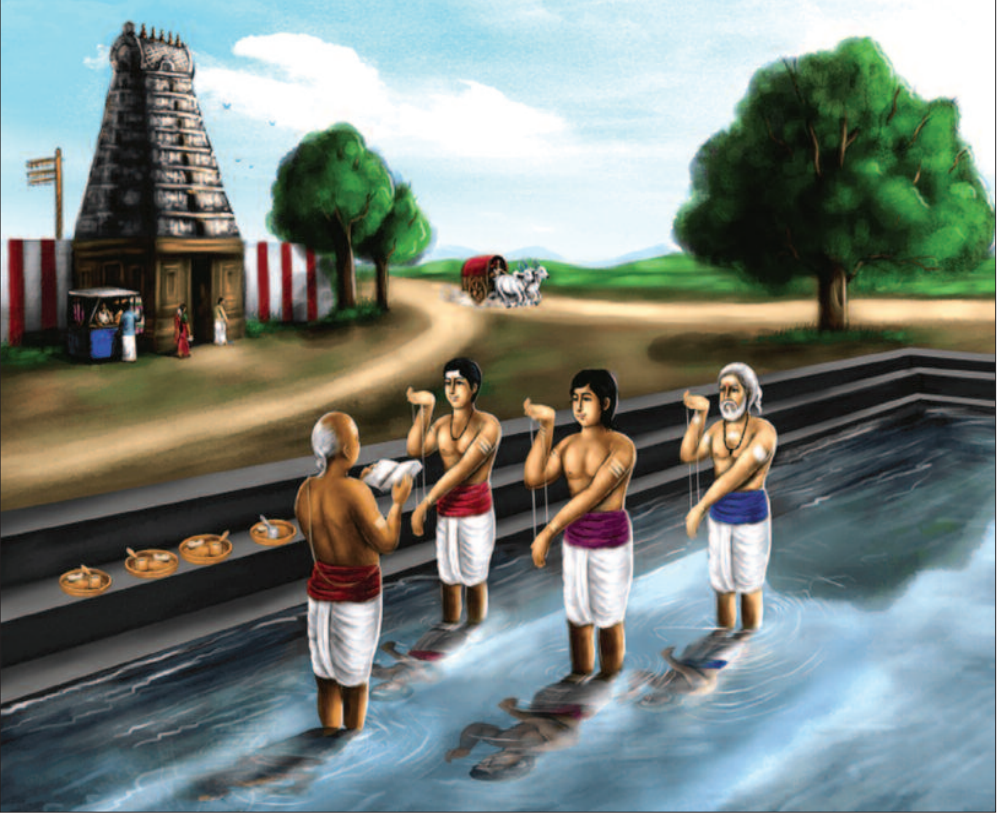
गंभीर बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। संवाद का वातावरण ऐसा हो जिसमें बच्चा किसी गलत दबाव, डर या समस्या के बारे में परिवार से खुलकर बात कर सके। विद्यालयों में नशे के नुकसान को डर पैदा करने के बजाय वैज्ञानिक और स्वास्थ्यपरक तरीके से समझाया जाना चाहिए। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों में दिखाई देने वाले गंभीर व्यवहारिक बदलावों पर संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अभिभावकों तथा विशेषज्ञ सहायता से जोड़ना चाहिए। सरकार और प्रशासन के स्तर पर समुद्री निगरानी को अत्याधुनिक तकनीक से मजबूत करना, तटरक्षक बल, पुलिस, सीमा सुरक्षा एजेंसियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच तत्काल सूचना साझा करना तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की वित्तीय कड़ियों की जांच करना जरूरी है। गुजरात जैसे लंबे समुद्री तट वाले राज्य में मछुआरा समुदाय भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। समुद्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, उतनी ही जल्दी सुरक्षा एजेंसियों तक जानकारी पहुंच सकेगी। नशे की समस्या का स्थायी समाधान कठोर कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता में है। तस्करी के खिलाफ कानून का शिकंजा मजबूत होना चाहिए, लेकिन नशे की चपेट में आए युवाओं को केवल अपराधी के रूप में देखने के बजाय उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। परिवारों को यह समझना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। समय पर अपना जीवन धारण करने तथा समाज विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संभम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दत्तद्विद व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिवालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूद्र पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेक्षशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, पिण्डदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पुत्रां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च। उपरच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्धं तर्पिताः। - अर्थात् जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।



रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिले हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भगवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम्, अर्थात् जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्राद्ध भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परंपराओं का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म



में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशावाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उसाह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को

प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आयापित होता है। प्रुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जी तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अपने लेकर वह अम्भाराण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें

कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगारा विधान का उल्लेख भरत कोहिद दशगारा विधाना तुलसी रामायण में हुआ है। भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा समाज विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संभम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दत्तद्विद व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिवालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूद्र पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेक्षशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, पिण्डदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पुत्रां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च। उपरच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्धं तर्पिताः। - अर्थात् जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सात लोगों को मिला कमलेश स्मृति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाविद् स्व. कमलेश कंडारी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर में श्रद्धांजलि एवं कमलेश स्मृति सम्मान- 2026 समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्व. कमलेश कंडारी की स्मृति को समाजोपयोगी कार्यों से जोड़ते हुए कृषि, बागवानी, गौसेवा, समाजसेवा, पर्यटन एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सात व्यक्तियों को कमलेश स्मृति सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि लैंसडौन विधायक महंत दिलीप सिंह रावत ने स्व. कमलेश कंडारी की स्मृति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि कमलेश कंडारी ने अपने कार्यों एवं सेवाभाव से क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई तथा अनेक लोगों को समाज और क्षेत्र के लिए सकारात्मक कार्य करने की



प्रेरणा दी। कार्यक्रम में गौसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मोहन सिंह रावत, कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डबल सिंह रावत, समाजसेवा एवं युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए संतोष गोसाई, बागवानी एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के

लिए दीवान सिंह रावत, समाजसेवा एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सुनील सिंह नेगी, स्थानीय पर्यटक एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए देवेन्द्र भारती, कीवी बागवानी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए मनोज खर्कवाल को 'कमलेश स्मृति सम्मान-2026 से

सम्मानित किया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि किसी व्यक्ति का जीवन समाप्त होने के बाद भी उसके सेवा कार्य, विचार और समाज के प्रति समर्पण लोगों के लिए प्रेरणा बने रहते हैं। स्व. कमलेश कंडारी की स्मृतियों को इसी सेवा भावना के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प भी उपस्थित लोगों ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर के प्रधानाचार्य धनपाल सिंह रावत, अध्यापक प्रियव्रत सिंह कंडारी, विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक दीनदयाल सिंह कंडारी, अध्यक्ष जसवंत सिंह, शोभा गोयल, लक्ष्मी रावत, रघुवीर सिंह बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य अंदरौली मोरज पंत, जिला पंचायत सदस्य बिलकोट राहुल बिष्ट, शिशुपाल सिंह रावत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख दीपक भंडारी, संतोष गोसाई, एम.डी. रावत, लक्ष्मी देवी, देवेन्द्र भारती, अंकित कंडारी, अंबिका कंडारी, सोनी कंडारी आदि मौजूद थे।

छात्रों को बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए किया प्रेरित



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कलजीखाल के राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडंग में गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि छात्रों को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को

भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष जसवीर रावत, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व पीटीए अध्यक्ष जगमोहन डोंगी, शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित कर्मचारीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रवक्ता बालम सिंह राणा ने किया।

जयंती पर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजलि



जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया।

एक नजर

राज्य स्तरीय बाल विज्ञान महोत्सव के लिए आठ छात्रों का चयन

उत्तरकाशी। जिला स्तरीय पर्वतीय सीमांत बाल विज्ञान महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गईका कंवा एट हाली के आठ छात्र-छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय बाल विज्ञान महोत्सव के लिए हुआ है। विद्यालय के शिक्षक डॉ. राजेश जोशी ने बताया कि राज्य स्तर के लिए चयनित छात्र-छात्राओं में आस्था, अनुग्रहा, अनुष्का, करण, माधव, रोहित, अनमोल और नीरज शामिल हैं। सभी प्रतिभागी 9 और 10 अक्टूबर को आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि बाल विज्ञान महोत्सव में इन छात्र-छात्राओं ने अपने समकक्ष अभिनय और शानदार प्रस्तुति कर प्रथम स्थान हासिल किया था। इसके बाद उनका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र नौटियाल ने चयनित छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी राज्य स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मौके पर सुनीता बधानी, विजयपाल सिंह राणा, राकेश भट्ट, राजेंद्र प्रसाद नौटियाल आदि मौजूद रहे।

देवभूमि गौरव सम्मान से सम्मानित हुए मोहन नेगी

गोपेश्वर। प्रधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष इगणी गांव निवासी मोहन नेगी को देवभूमि माटी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। संस्कृति जागरण उत्तराखंड की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया शुक्रवार को देहरादून में संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री व महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, चमोली के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी ने उन्हें सम्मानित किया। इसमें गढ़वाली-कुमाऊँ फिल्मों व गीतों की रचना, बेहतर अभिनय व सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वालों को देवभूमि माटी गौरव सम्मान से नवाजा गया।

रामपुर तिराह कांड के बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

गोपेश्वर। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान रामपुर तिराह में हुए कांड की बस्सी पर शुक्रवार को शहीद स्थल पर आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रामपुर तिराह के बलिदानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उस दौर को याद किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के लिए चले आंदोलन और आंदोलनकारियों के संघर्षों को याद किया गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि रामपुर तिराह सहित पूरे आंदोलन के दौरान जिस तरह से बर्बरता की गई वह आज भी लोगों के जहन में जिला है। उस दौर को कभी भुलाया नहीं जा सकता। जिन्होंने राज्य के लिए बलिदान दिया वे हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। सभी ने बलिदानियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान युकेडी के केंद्रीय महामंत्री चुजमोहन सजवाण, राज्य आंदोलनकारी कमल किशोर डिमरी, सुबोध बिष्ट, योगेंद्र बिष्ट, मनोष नेगी, राज्य आंदोलनकारी चंद्रकला बिष्ट आदि मौजूद रहे।

महोत्सव में 395 बाल

वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

पोखरी (चमोली)। ब्लॉक स्तरीय सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन जीआईसी नागनाथ पोखरी में आयोजित किया गया। इसमें विकासखंड के 55 विद्यालयों के 395 बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। विज्ञान महोत्सव का उद्घाटन जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण खशी ने किया।

मुखबा में निर्विरोध चुने गए अनिल नौटियाल प्रधान और प्रेमकांत सेमवाल क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और मानवता के सिद्धांत सदैव समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। कहा कि गांधी जी के विचार आज भी शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता के लिए प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका ‘जय जवान, जय किसान’ का उद्घोष देश के जवानों और किसानों के सम्मान तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सदैव रेखांकित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों महान विभूतियों के आदर्श हमें राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

वाहन से उतरते ही यात्रियों को घेर रहे मजदूर व घोड़ा—खच्चर संचालक

बड़कोट। यमुनोत्री धाम की यात्रा के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में यात्रियों को लेकर अव्यवस्था की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि वाहन से उतरते ही मजदूर और घोड़ा—खच्चर संचालक यात्रियों को घेरकर अपनी सेवाएं लेने के लिए दबाव बनाते हैं। शुक्रवार को भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जानकीचट्टी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को वाहन से उतरते ही कुली और घोड़ा—खच्चर संचालक अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। कुछ मामलों में सामान को लेकर खींचतान की स्थिति बनने की बात भी सामने आई है। अरविंद सिंह, महावीर पंचार, संदीप राणा आदि ने कहा कि यात्रियों से शुल्क वसूली की व्यवस्था तो है लेकिन उन्हें सुव्यवस्थित तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराने पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को घेरकर



सेवाएं लेने के लिए दबाव बनाने की शिकायतों पर नियंत्रण जरूरी है। स्थानीय लोगों ने

जानकीचट्टी में यात्रियों के लिए साफ सुथरी व्यवस्था बनाने, कुली और घोड़ा—खच्चर सेवाओं को व्यवस्थित करने और यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग की। बड़कोट एसडीएम बृजेश कुमार तिवारी ने कहा कि यात्रियों को घेरने और अव्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस और जिला पंचायत को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया है।

जूनियर हाईस्कूल और हाईस्कूल के एकीकरण प्रस्ताव पर विभाग मौन

कंडीसौड़ (टिहरी)। सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या घटने के कारण शिक्षा विभाग की क्लस्टर योजना अवर में है। अभिभावकों के विरोध के बाद यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई है। थौलधार ब्लॉक में बमोरीखाल जूनियर हाईस्कूल और हाईस्कूल का एकीकरण करने के प्रस्ताव पर विभाग मौन है। अभिभावकों ने विभाग के सामने मानकानुसार शिक्षकों की नियुक्ति करने या दोनों स्कूलों का एकीकरण करने का प्रस्ताव रखा है लेकिन विभाग अभी तक कोई निर्णय नहीं ले पाया है। थौलधार ब्लॉक में ग्राम नेरी, झकोगी और बरनू के बमोरीखाल जूनियर हाईस्कूल में 58 छात्रों पर दो शिक्षक और हाईस्कूल में 47 छात्रों पर पांच शिक्षक कार्यरत हैं।

अभिभावकों का कहना है कि जूनियर हाईस्कूल में छात्र संख्या के अनुरूप शिक्षकों की नियुक्त पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नेरी के प्रधान महिला सिंह राणा, झकोगी के प्रधान राजेंद्र सिंह पंचार और बरनू की प्रधान संगीता पंचार ने कहा कि छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग कई बार की गई है। अभिभावकों ने शिक्षा विभाग के सामने छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षकों की तैनाती और नियुक्ति नहीं होने की स्थिति में 50 मीटर के दायरे में चल रहे दोनों स्कूलों का एकीकरण कर छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षक नियुक्त करने की मांग की है, लेकिन शिक्षा विभाग अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है।

संगम तट पर गंगा के तेज बहाव में बहा राजस्थान का युवक



टिहरी। देवप्रयाग संगम तट पर एक बार फिर हादसा हो गया। अपने दोस्तों के साथ घूमने आया युवक पैर

फिसलने से नदी के तेज बहाव में बह गया।

जानकारी के अनुसार, जयपुर राजस्थान के घटवारड़ा चंदवाजी निवासी रावत शर्मा(22) पुत्र मुरारी लाल शर्मा अपने दोस्तों के साथ देवप्रयाग संगम पर स्नान कर रहा था। इसी दौरान संगम पर नहाते समय अचानक उनका पैर फिसल गया और वह नदी की तेज धारा में बह गया। युवक को बहात देखकर संगम पर तैनात जल पुलिस के जवान पुष्कर ने तुरंत जान जोखिम में डालकर नदी में छलांग लगा दी, लेकिन नदी का तेज बहाव होने के कारण युवक को पकड़ नहीं जा सका और वह गंगा नदी में डूब गया। जबकि पुलिस का जवान करीब 100 मीटर तक युवक को पकड़ने की कोशिश करता रहा।

मालू के पत्तों से पतल—दोने बनाने की मुहिम पटर चर्चा

त्रषिकेश। कुनांऊ गांव में ईको विकास समिति कुनांऊ की ओर से शुक्रवार को बैठक आयोजित कर स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उत्तराखंड की पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण के लिए मालू के पत्तों से पतल और दोने बनाने की मुहिम शुरू करने पर चर्चा की गई। सेवानिवृत्त मेजर सुरेश पयाल के नेतृत्व में हुई बैठक में प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और ग्रामीण आजीविका के अवसर विकसित करने पर जोर दिया गया। पयाल ने कहा कि मालू के पत्तों से बने पतल—दोने उत्तराखंड की पारंपरिक संस्कृति का हिस्सा रहे हैं और शादी—विवाह, चूड़ाकर्म, पूजा, श्राद्ध व भोग—प्रसाद में इनका इस्तेमाल होता था। डिस्पोजेबल सामग्री के बढ़ते चलन से यह परंपरा विलुप्ति की ओर है। उन्होंने गांवों के आसपास मालू का बड़े स्तर पर रोपण करने का सुझाव दिया, जिससे कच्चा माल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा, लागत घटेगी और जंगलों पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि मालू, तिमला और भोजपत्र उत्तराखंड की प्राकृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पयाल ने बताया कि बीते बृहस्पतिवार को देहरादून में वन्यजीव सप्ताह के शुभारंभ कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री और वनमंत्री के समक्ष पर्यावरण अनुकूल स्वरोजगार से जुड़े ये सुझाव भी रखे थे।



गंगोत्री धाम में पैसे लेकर हो रहे वीआईपी दर्शन

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम में दर्शन के लिए वीआईपी व्यवस्था के नाम पर वसूली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मंदिर समिति की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। यात्रियों की ओर से बनाए गए वीडियो में दर्शन के नाम पर आरोप लगाया जा रहा है कि जो लोग प्रसाद के नाम पर पैसे जमा कर रहे हैं उन्हें भीड़ से हटाकर दर्शन करवाए जा रहे हैं। वहीं अन्य लोग घंटों लाइन में लग रहे हैं।

कुछ दिन पूर्व गंगोत्री धाम में एक यात्री की ओर से स्नान घाट में मनमाने पैसे वसूलने का आरोप लगाकर सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर जारी किया गया था।

वहीं अब मंदिर में दर्शन के नाम पर वीआईपी व्यवस्था पर यात्रियों की ओर से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट-फॉर्म पर जारी किया गया है। इस वीडियो में यात्री आरोप लगा रहे हैं कि गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से प्रसाद के नाम पर एक काउंटर बनाया गया है। वहां पर जो यात्री पैसे दे पा रहा है उन्हें भीड़ से हटाकर वीआईपी गेट से दर्शन करवाए



जा रहे हैं जबकि अन्य लोग घंटों लाइन में लगे हैं। वीडियो में यात्री पुरोहितों से जिम्मेदार प्राधिकारियों को बुलाने की मांग की जा रही है लेकिन किसी को नहीं बुलाया गया। इस संबंध

में गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। जब भी उनसे बात होगी उनका पक्ष प्रकाशित किया जाएगा।

आरटीआई—शिकायतों से पालिका का कामकाज प्रभावित होने का आरोप

बड़कोट। नगर पालिका में लगातार आ रही आरटीआई और शिकायतों को लेकर अध्यक्ष विनोद डोभाल ने कामकाज प्रभावित होने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से जोड़ते हुए कहा कि जवाब और जांच में अधिकारियों—कर्मचारियों का समय लगने से विकास कार्यों की निगरानी प्रभावित हो रही है। अध्यक्ष विनोद डोभाल का कहना है कि उनके कार्यालय में विभिन्न स्तरों पर एक दर्जन से अधिक आरटीआई

आवेदन और करीब दर्जनभर शिकायतें की गई हैं। इसमें निर्माणधीन रजत जयंती पार्क से जुड़े मामलों में अलग—अलग स्तरों पर करीब आठ शिकायतें किए जाने का दावा है। उन्होंने सभासदों के नाम से कथित फर्जी शिकायत किए जाने का मामला सामने आने की भी बात कही। अध्यक्ष का कहना है कि आरटीआई और शिकायतें पारदर्शिता व जवाबदेही के जरूरी माध्यम हैं और वह किसी भी जांच से पीछे नहीं हट रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में सुबह–सुबह कांपी धरती: 5.3 तीव्रता का आया भूकंप

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 रही। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 6:59 बजे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान में 35.981 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 68.700 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप की गहराई जमीन से करीब 126 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान–माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

भारत दौरे पर आएंगे नेपाल के पीएम शाह, तारीख तय नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह जल्द भारत की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, उनकी आधिकारिक यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मीडिया संग यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा को अर्थपूर्ण और नतीजे देने वाली बनाने के पक्ष में हैं।

पलाईदुर्बई विमान चाकूबाजी: इस्राइल के नागरिक ने कैसे सीखा प्लेन चलाना? पीएम नेतन्याहू मिलने पहुंचे तो खुद बताया

येरुशलम, एजेंसी। यूएई से इस्राइल जा रही पलाईदुर्बई की उड़ान में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पायलट पर कथित तौर पर चाकू से हमला किया गया और विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। इस दौरान यात्रियों ने हिम्मत दिखाते हुए कॉकपिट में घुसकर हमलावर को काबू किया और विमान को संभालने में मदद की। इस घटना के बाद विमान को सऊदी अरब की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसने सुरक्षित लैंडिंग की। घटना में अहम भूमिका निभाने वाले यात्री यानिव हयून ने बुधवार को तेल अवीव एयरपोर्ट पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में प्रधानमंत्री यानिव हयून को गले लगाते और उन्हें ‘हीरो’ बताते नजर आए। मुलाकात के दौरान हयून ने खून से सनी शर्ट पहनी हुई थी। हयून ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि एक पायलट पर हमला हुआ है, तो उन्होंने अन्य यात्रियों के साथ मिलकर कॉकपिट में पहुंचने की कोशिश की। घायल पायलट कॉकपिट के दरवाजे से दबा हुआ था, जिससे अंदर जाना मुश्किल हो रहा था। हयून के मुताबिक, जब वह कॉकपिट के अंदर पहुंचे तो पायलट अपनी सीटों पर नहीं थे। एक पायलट जमीन पर था, जबकि दूसरा पैनल पर था। उन्होंने बताया कि कथित हमलावर विमान के नियंत्रण से जुड़े उपकरणों के पास था और ऐसा लग रहा था कि वह विमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर काबू किया और उसे कॉकपिट के नियंत्रण वाले हिस्से से दूर खींच लिया। इसके बाद उन्होंने विमान को दोबारा नियंत्रण में लाने में मदद की।

पाकिस्तानी मौलाना ने हतियारों को बताया आतंकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव अपने चरम पर है। इसी बीच एक पाकिस्तानी मौलाना के बयान ने इस युद्ध को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया। पाकिस्तानी मौलाना के मुताबिक हूती आतंकवादी हैं और उनका इस्लाम से कोई लेना–देना नहीं है। मौलाना के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के प्रमुख हाफिज मुहम्मद ताहिर अशराफी सऊदी अरब में अंतर्राष्ट्रीय एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हतियारों का इस्लाम से कोई लेना–देना नहीं है। अशराफी ने हतियारों को आतंकवादी बताया। इसके अलावा उन्होंने सऊदी अरब की सुरक्षा को पाकिस्तान के लिए रेड लाइन बताया और कहा कि पाकिस्तान की सरकार, सेना, उलेमा और जनता सऊदी अरब के साथ खड़ी है। हाफिज मुहम्मद ताहिर अशराफी ने सऊदी अरब और हतियारों के बीच चल रही जंग को लेकर कहा कि यह शिया और सुन्नी के बीच का युद्ध नहीं है और न ही यह दो देशों के बीच की जंग है। अशराफी ने कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच रक्षा समझौते की तारीफ करते हुए इसे तीनों देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

पाकिस्ताननेअफगानिस्तानपरफिरकीएयरस्ट्राइक: दोघरों परबरसींमिसाइलें,नौकीमौत;महिलाएंऔरबच्चेभीघायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जुबैदुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया है कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में कम से कम नौ अफगान नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। मुजाहिद के मुताबिक, बुधवार रात अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाया गया। हमले में तीन मकान भी तबाह होने का दावा किया गया है।

कुनार और हेलमंद में नागरिक इलाकों पर हमला : तालिबान प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गरमसर जिले के सफर इलाके में पाकिस्तानी विमानों ने हवाई हमले किए। उनके अनुसार, इन हमलों में 11 अफगान नागरिक मारे गए और 11 अन्य घायल हुए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तीन घरों के नष्ट होने की भी बात कही गई है।

हाल के दिनों में कई इलाकों में हमले : अफगानिस्तान में यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से कई अफगान प्रांतों में हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। 24 सितंबर को कंधार, पक्तिया और खोस्त में हुए पाकिस्तानी हमलों में चार नागरिकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

एलन मस्क संभालेंगे अमेरिका की भविष्य की जंग का मोर्चा: पेंटागन ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

क्वांटिको, एजेंसी। अमेरिका ने भविष्य के युद्ध की बदलती तकनीक और सैन्य जरूरतों का आकलन करने के लिए नई पहल शुरू की है। इसमें टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क, रक्षा तकनीक कंपनी एंड्यूरिल के सह-संस्थापक पामर लकी और अमेरिका के पूर्व हाउस स्पीकर न्यूट गिंगरिच को अहम भूमिकाएं दी गई हैं। सोपनबीसी हि रिपोर्ट के मुताबिक ‘प्रोजेक्ट मेरिडियन’ के तहत अगले 120 दिनों में यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि आने वाले वर्षों और दशकों में अमेरिकी सेना को किन हथियारों, तकनीकों और सैन्य क्षमताओं की जरूरत होगी।

धरती के नीचे से चंद्रमा के आगे

तक युद्धक्षेत्र : अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने वर्जीनिया के क्वांटिको स्थित मरीन कॉर्प्स बेस में स्टेट ऑफ द फोर्स संबोधन के दौरान इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य नई रणनीति या नीतियां तैयार करना नहीं, बल्कि उन क्षेत्रों की पहचान करना है जिन पर अमेरिका को नियंत्रण स्थापित करना



इससे तीन दिन पहले कुनार और पक्त्वका में हुए हमलों में तीन लोगों की मौत की बात सामने आई थी। इस तरह हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

तालिबान ने पाकिस्तान पर लगाए गंभीर आरोप : तालिबान प्रवक्ता जुबैदुल्लाह मुजाहिद ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में हमलों के जरिए अपने देश की आंतरिक समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया था। कंधार के एक धार्मिक मदरसे में बोलते हुए मुजाहिद ने दावा किया था कि पाकिस्तान ने राजनीतिक और आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं और घरेलू विरोध-प्रदर्शनों के बीच वहां की सरकार अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए लोगों का ध्यान दूसरी ओर ले जाना चाहती है। हालांकि, ये आरोप तालिबान पक्ष की ओर से लगाए गए हैं। मक्का समझौते का भी उठया मुद्दा

मुजाहिद ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए रक्षा समझौते का भी जिक्र किया। तीनों देशों ने 7 अगस्त को मक्का में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। मुजाहिद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए इस समझौते से बचने और खुद को अफगानिस्तान के साथ युद्ध में दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान पर पड़ोसी देश की सीमा का उल्लंघन कर अपनी कथित नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने का आरोप भी लगाया।

तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : तालिबान प्रवक्ता ने पाकिस्तान की कार्रवाई के खिलाफ अफगानिस्तान की ओर से ‘उचित जवाब’ देने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई को दबाव बनाने की कोशिश बताया। फिलहाल दोनों देशों के बीच

बढ़ते तनाव के बीच नागरिक इलाकों पर हमलों को लेकर स्थिति पर नजर बनी हुई है। पाकिस्तान का दावा–आतंकी ठिकानों पर हमला किया, 22 लड़के मरे पाकिस्तान का दावा है कि गुरुवार को उसने दो जगहों पर आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 22 लड़कें मारे गए। हालांकि जबीदुल्लाह मुजाहिद ने हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने गलत किया है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है और इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। अफगानिस्तान ने कहा– पाकिस्तान सब्र का इम्तिहान न ले पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तालिबान सरकार के मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने पाकिस्तान को अफगानों के सब्र का इम्तिहान न लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान का इतिहास याद रखना चाहिए, जहां सोवियत संघ और अमेरिका जैसी बड़ी ताकतें भी युद्ध के बाद सफल नहीं हो सकीं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव बढ़ पाकिस्तान का कहना है कि हाल में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान के लड़कों ने अफगानिस्तान के पक़्तिया और नंगरहार प्रांतों से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश की। इसके बाद सीमा पर दोनों पक्षों के बीच गोलाबारी हुई। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान से ड्रोन भी भेजे गए, जबकि तालिबान सरकार ने इन आरोपों से इनकार किया।

ब्रिटिश पीएम का दावा: ‘वायुसेना अड्डे के पास सद्विग्ध आतंकी घटना में ईरान की भूमिका’, जांच में वया मिला?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंड्री बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण–पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में रॉयल एयर फोर्स के अड्डे के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका थी। इस घटना की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। पुलिस को विलफोर्ड गांव में एक सूचना मिली थी। यह गांव रॉयल एयर फोर्स के फेयरफोर्ड अड्डे के पास है। सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची थी। इसके बाद पांचों लोगों को गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

बर्नहम ने क्या बताया : इस अड्डे पर बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के जवान और अभियान लीडर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सद्विग्धों को जमानत



दिए जाने पर सवाल उठया है। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी। फिर भी यह पुलिस को एक जटिल और बेहद गंभीर जांच है। इसलिए इस समय में इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा सकता।

उन्होंने बताया कि उन्होंने सोमवार को कैबिनेट कार्यालय में आपात बैठक की अध्यक्षता की थी। इसे जमानत क्यों मिली बर्नहम से पूछा गया कि सरकार इस बात की पुष्टि

ईरानहारमानलेगा,डोनाल्डट्रंपका बड़ादावा,होर्मुजकोलेकरअमेरिकी राष्ट्रपतिऔरईरानमेंजुबानीजंगतेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान हर मान लेगा और दावा किया कि अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को अमेरिकी टेक जगत के दिग्गजों के साथ एक लंच मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए दिया। ट्रंप ने इस दौरान मीटिंग के दौरान एक संघीय आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए अर्टीफिशियल इंटेलिजेन्स से जुड़ा एक अहम बदलाव करने की घोषणा की। ट्रंप ने अमेरिका में आधिकारिक तौर पर अर्टीफिशियल इंटेलिजेन्स का अर्टीफिशियल इंटेलिजेन्स से जुड़ा एक अहम बदलाव करने की घोषणा की। ट्रंप ने अमेरिका में आधिकारिक तौर पर अर्टीफिशियल इंटेलिजेन्स का अर्टीफिशियल इंटेलिजेन्स को आधिकारिक तौर पर सुपर इंटेलिजेन्स बोला और लिखा जाएगा।

ईरान हार मान लेगा: डोनाल्ड ट्रंप : टेक दिग्गजों के साथ मीटिंग के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से ईरान युद्ध को लेकर बात करते हुए कहा कि, वे हार मान लेंगे हमने पिछले कुछ दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है, ट्रंप ने कहा। इस बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अमेरिका और अन्य देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान की सुरक्षा सुनिश्चित

नहीं की गई, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने यह बयान एक सार्वजनिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया। जिसमें उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और जहाजों के आवागमन के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले के बयानों का जिक्र किया।

सच सब जानते हैं ट्रंप के दावों का : बगेर गालिबफ ने कहा, भूमित अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और उससे जहाजों के गुजरने के बारे में जो बयानबाजी किया है, वह पहले किए गए दावों का दोहराव है, और इन भ्रमक दावों की सच्चाई सभी को पता है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकियों और अन्य देशों दोनों को यह पता होना चाहिए। जैसा कि हमने पहले कहा था, जिस क्षेत्र में हम तेल नहीं बेचते हैं, वहां कोई भी तेल नहीं बेचेगा, और यदि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती है, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा।

ईरान से प्रतिबंध हटाने को तैयार है अमेरिका : इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतिम समझौते के हिस्से के रूप में ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने और जमे हुए धन को जारी करने के लिए तैयार हैं , लेकिन केवल तभी जब तेहरान परमाणु मुद्दे पर ठोस प्रगति की पैमाना करे, क्योंकि मध्यस्थ दोनों देशों को बातचीत की मेज पर वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

बावजूद गिरफ्तार किए गए पांच लोगों को जमानत क्यों दी गई। इस पर उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि रिहा किए जाने का मतलब वैसा नहीं है, जैसा आम तौर पर समझा जाता है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को जमानत के बजाय कड़ी शर्तों के साथ छोड़ा गया है। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारी मामले पर पूरी तरह नजर रख रहे हैं। उनके पास इस पर कड़ा नियंत्रण है। उन्होंने लोगों को इसका भरोसा भी दिलाया। इस बीच, ‘द टाइम्स’ ने खबर दी कि गिरफ्तार किए गए पांच सद्विग्धों में से एक ने घटना से करीब एक घंटे पहले खुद अधिकारियों से संपर्क किया था। ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मोलवार को पुलिस ने कहा कि अड्डे के पास रोकी गई गाड़ियों में कोई विस्फोटक उपकरण नहीं मिला। हालांकि, पुलिस को गाड़ियों से कुछ मात्रा में पेट्रोल मिला है।

मेयर से पीएम पद तक का शानदार सफर... मोरक्को में इतिहास रचने वाली हैं फातिमा मंसूरी?

रबात , एजेंसी। मोरक्को के शाही महल ने देश के नए प्रधानमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा की है। राजा मोहम्मद 6 ने फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी को सरकार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। 23 सितंबर के संसदीय चुनावों के छह दिन बाद 29 सितंबर को यह ऐतिहासिक फैसला आया।

अल मंसूरी की पार्टी पीएएम चुनाव में 97 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वे मोरक्को की पहली और पूरे अरब जगत की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच चुकी हैं। पेशे से वकील और पूर्व मंत्री अल मंसूरी अब नई गठबंधन सरकार बनाने की तैयारी में जुटी हैं।

चुनावी नतीजे और बहुमत के लिए गठबंधन सरकार की चुनौती मोरक्को की 395 सीटों वाली संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 23 सितंबर को मतदान हुआ था। चुनाव नतीजों में अल मंसूरी की पार्टी पीएएम ने 97 सीटें जीतकर पहला स्थान पाया। नेशनल रैली ऑफ इंडिपेंडेंट्स 66 सीटों से दूसरे और इस्तिक्लाल पार्टी 65 सीटों से तीसरे स्थान पर रही। वहीं जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी ने चुनाव में 54 सीटें हासिल कीं। संसद में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा 198 सीटों का है, जिससे पीएएम पार्टी अभी काफी दूर है। इसलिए फातिमा अल मंसूरी को सरकार बनाने के लिए दूसरी सहयोगी पार्टियों के गठबंधन करना होगा। अजीज अखन्नौच की पार्टी RNI और इस्तिक्लाल पार्टी से गठबंधन की बातचीत की संभावना है। सभी दलों को एक साथ लाकर स्थायी सरकार बनाना उनकी पहली बड़ी प्रशासनिक परीक्षा होगी। शुरुआती



जीवन, कानून की पढ़ाई और मारकेश की पहली महिला मेयर 50 वर्षीय फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी का जन्म एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में हुआ था। उनके पिता अब्देर्रहमान अल मंसूरी संयुक्त अरब अमीरात में मोरक्को के राजदूत थे। अल मंसूरी ने फ्रांस की मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी से कानून में एडवोकेट डिप्लोमा किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से बिजनेस लॉ में डिप्लोमा हासिल किया। कानूनी शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने वकालत से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में जब ऑर्थेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी बनीं तो वे इसकी संस्थापक सदस्य बनीं। वर्ष 2009 में वे 35 साल की उम्र में मारकेश शहर की पहली महिला मेयर चुनी गईं। वर्ष 2021 में वे दोबारा मारारकेश में मेयर बनीं और फिर राष्ट्रीय सरकार में आवास मंत्री बनीं। कई सरकार के सामने 2030 फीफा वर्ल्ड कप और आर्थिक विकास की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री के रूप में अल मंसूरी के सामने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां हैं। मोरक्को वर्ष 2030 में स्पेन और पुर्तगाल के साथ फीफा वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी करेगा। विश्व कप के लिए स्टेडियम, हाईवे और रेल जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पूरे करने होंगे।



कमांड क्षेत्रों में दो फसल या आंशिक क्षेत्रों में तीन फसली कार्यक्रम के चलते आमतौर पर गेहूं की बुआई पिछड़ जाती है। पिछले 3 वर्षों से मानसून का मिजाज कुछ इस तरह बदला की खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बुआई जुलाई की सीमा पारकर गई और उसकी कटाई में विलम्ब होने के कारण भूमि में नमी भी अपर्याप्त रह गई फलस्वरूप गेहूं की विलम्ब से बुआई करने की मजबूरी चुनौती बनकर उभरी, कपास, मिर्च, गन्ना काटने के बाद भी यही समस्या सामने रहती है।



इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी का प्रादुर्भाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण करना आज की आवश्यकता बन गई है।

बुवाई का उपयुक्त समय

25 दिसम्बर तक

किस्मों का चुनाव

पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का

रबी में लगायें गेहूं



चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पिछेती गेहूं की बुवाई के लिये कई किस्मों को बोने की सिफारिश की गई है जिनमें राज 3777, राज 3765, राज 3077, एच.डी. 2285, एन.डी.2236, राज 2184, लोक-1, जी.डब्ल्यू.173, जी. डब्ल्यू. 273, एच.आई. 8498, डी. एल. 803, डीएल 788-2, आभा, जे.डब्ल्यू 4010, एम.पी. 1202 इत्यादि.

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना लाभदायक रहता है. पौधों के बीच की दूरी 6 से 8 सेंटीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की अपेक्षा क्रास (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में 4.5 क्वि./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को

अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें। बुवाई 4-5 सेंटीमीटर की गहराई पर करना चाहिए।

पिछेती गेहूं में 130-200 किलो यूरिया, 250-280 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33-40 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये फास्फोरस का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है. जस्ते की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व



प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट या 10 किलो चिलेटेड जिंक नाइट्रोजन के साथ मिला कर दें।

जिन खेतों में मैंगनीज की कमी पायी जाये वहां बुवाई के समय 20 किलो मैंगीज सल्फेट उर्वकों के साथ ऊर कर दें. फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की भारी मिट्टी में आधी तथा हल्की रेतीली मिट्टी में एक तिहाई मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें। भारी मिट्टी के लिये शेष आधी मात्रा पहली या दूसरी सिंचाई के साथ दें। खड़ी फसल में नाइट्रोजन सामान्यतः पहली सिंचाई की अपेक्षा दूसरी सिंचाई के बाद देना लाभप्रद है।

हल्की मिट्टी में शेष बची दो तिहाई मात्रा में से एक तिहाई पहली सिंचाई तथा एक तिहाई दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया उर्वरक के रूप में दें। पहली सिंचाई बुवाई के 25-27 दिन बाद दें। किंतु मध्य फरवरी के बाद तापमान बढ़ जाता है व बालियां निकलने के बाद से फसल पकने तक फसल को गर्म व कुछ तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है जिससे फसल की जल मांग भी बढ़ जाती है साथ ही दूधिया अवस्था, फूल आने की अवस्था तथा दाना सख्त होने की अवस्था सिंचाई हेतु क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक है। अतः इस समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा दाना पतला पड़ जाता है फलस्वरूप उपज कम होने का भय रहता है। इन चारों अवस्थाओं के अतिरिक्त गेहूं की कल्लों के अच्छी तरह निकल जाने की अवस्था तथा तने में गांठें बनने की अवस्था भी सिंचाई की दृष्टि से क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भी खेत में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई हल्की करना चाहिए। विशेषकर फूल आने के बाद जिससे मार्च-अप्रैल में चलने वाली गर्म व तेज हवाओं से फसल आड़ी न गिर पाये। कुल मिलाकर पिछेती गेहूं में समय से बुवाई की अपेक्षा 1-2 अधिक सिंचाईयों की आवश्यकता होती है।

बीज दर- 125 किलो/हे.

बीजोपचार

गेहूं की फसल की बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेल्सियस तापमान होना उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ जाता है जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार करना चाहिए।

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5 प्रतिशत पोटेशियम डाई सल्फेट या 0.1 प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत सोडियम क्लोराइड (साधारण नमक) के घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा 2-3 क्वि. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो ग्राम पारद फफूंदनाशी या थायम या दो से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात कण्डुआ का प्रकोप हो वहां नियंत्रण हेतु वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित करें।

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।



खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग

दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में धुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

चना फसल से बढ़ेगा उत्पादन



उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडील, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का हास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें। बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।



कटाई, गहाई व उपज

परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पतियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल को कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्वि. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

रामपुर तिराहा के अमर बलिदानियों को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शहीद स्थल रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रतिभाग कर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदों और राज्य आंदोलनकारियों का संघर्ष एवं बलिदान उत्तराखण्ड की भावी पीढ़ियों को देशभक्ति, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

राज्य आंदोलन के अमर बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके सपनों और भावनाओं के अनुरूप उत्तराखण्ड को समृद्ध, सशक्त और अग्रणी राज्य बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में शहीद हुए जिन आंदोलनकारियों की प्रतिमाएं अब तक स्थापित नहीं हुई हैं, उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांव अथवा निवास क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर स्थापित की जाएंगी। उन्होंने रामपुर तिराहा स्थित राज्य अतिथि गृह के उच्चोत्तर, स्मारक परिसर में स्थित पुस्तकालय को ई-लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने तथा संग्रहालय के विस्तार की भी घोषणा की। संग्रहालय में उत्तराखण्ड के पारंपरिक वाद्य यंत्रों, वेशभूषा एवं लोक संस्कृति से



संबंधित सामग्री को भी शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के पुनः चिन्हीकरण की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले उत्तराखण्ड के वीर सैनिकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांवों में स्थापित करने का निर्णय पहले

ही लिया है। इसी भावना के अनुरूप राज्य आंदोलन के अमर बलिदानियों की स्मृतियों को भी भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा कांड के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों और बलिदानियों के सपनों के अनुरूप राज्य के निर्माण के लिए सरकार निरंतर कार्य

कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों और बलिदानियों के आशीर्वाद से उन्हें लगातार छठे वर्ष रामपुर तिराहा सहित खटीमा एवं अन्य शहीद स्थलों पर श्रद्धासुमन अर्पित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा कांड में शहीद राज्य आंदोलनकारियों की प्रतिमाओं की स्थापना के कार्य का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामपुर तिराहा में शहीदों की मूर्ति स्थापना के लिए 27 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई है। उन्होंने शहीद स्मारक के लिए भूमि दान करने वाले स्व. पंडित महावीर शर्मा के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनकी प्रतिमा भी स्मारक परिसर में स्थापित की गई है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, विधान परिषद सदस्य वंदना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष मुजफ्फरनगर डॉ. सुधीर सैनी, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद मधु भट्ट, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी सम्मान परिषद सुभाष बड़व्याल, सचिव संस्कृति युगल किशोर पंत, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुखर सहित बड़ी संख्या में राज्य आंदोलनकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंड से विदाई लेने को मानसून तैयार



देहरादून। उत्तराखंड में मानसून अब विदाई की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है और पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक सुबह-शाम हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (कटऊ) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 3 अक्टूबर को उत्तराखंड में मौसम सामान्यतः शुष्क रहने

की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों में सुबह के समय कहीं-कहीं हल्का कोहरा देखने को मिल सकता है। फिलहाल 4 अक्टूबर तक प्रदेश में मौसम के शुष्क रहने का पूर्वानुमान है।

5—6 अक्टूबर से करवट ले सकता है मौसम
पूर्वानुमान के मुताबिक 5 अक्टूबर से उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। देहरादून समेत कुछ क्षेत्रों में आंशिक बादल छाने के साथ बारिश या गरज-चमक की संभावना जताई गई है। वहीं 6 अक्टूबर से प्रदेश के कुछ हिस्सों में आकाशीय बिजली और गरज-चमक की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

नामांतरण मामलों का तय समय—सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करें

देहरादून। प्रदेश में भूमि से जुड़े नामांतरण (दाखिल-खासि/म्यूटेशन) मामलों के त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण को लेकर राजस्व परिषद ने सख्ती दिखाई है। आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड श्रीमती रंजना राजगुरु ने गुरुवार को प्रदेशभर में नामांतरण मामलों तथा अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में सभी जनपदों में असिस्टेंट कलेक्टर प्रथम श्रेणी/तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा किए जा रहे राजस्व न्यायिक कार्यों की प्रगति और लंबित मामलों की स्थिति पर चर्चा की गई।

आयुक्त एवं सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नामांतरण से संबंधित मामलों का नियमों के अनुरूप गुण-दोष के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मामलों की अनावश्यक रूप से लंबित रखने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाए और आम लोगों को समय पर न्याय उपलब्ध कराना

प्राथमिकता हो।

उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व न्यायालयों में न्यायिक कार्यवाही नियमानुसार, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित की जाए। साथ ही न्यायालयों से संबंधित अभिलेखों एवं आवश्यक पंजीकाओं को नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए।

रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने पर जोर आयुक्त एवं सचिव ने कहा कि राजस्व न्यायालयों के रिकॉर्ड पूर्ण एवं व्यवस्थित होने चाहिए, ताकि किसी भी मामले की वर्तमान स्थिति स्पष्ट रूप से उपलब्ध हो सके और आगे की न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो।

उन्होंने निस्तारित मामलों की पत्रावलियों को नियमानुसार समय से रिकॉर्ड रूप में जमा कराने के भी निर्देश दिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी मामले में अपील होने की स्थिति में मूल पत्रावली संबंधित अपीलीय न्यायालय को समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

डंपर फंसने से पौन घंटे बंद रहा नैनीताल हाईवे

कर्णप्रयाग। शुक्रवार को सुबह साढ़े छह बजे कर्णप्रयाग-नैनीताल हाईवे पर एक डंपर भूधंसाव क्षेत्र जखड़ में फंस गया जिससे हाईवे पर पौन घंटे तक वाहनों की आवाजाही बंद रही। हाईवे बंद होने से स्कूली बच्चों, शिक्षकों सहित अन्य लोगों को घर जाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। वहीं हाईवे के दोनों ओर वाहनों का जाम भी लगा गया। जैसीबी की मदद से डंपर को नाली से बाहर निकाला गया जिसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरु हो पाई। वाहनों की लंबी कतार के चलते कुछ देर तक लोगों को जाम का सामना भी करना पड़ा। संवाद

तकली कताई व चरखा

चलाने का दिया प्रशिक्षण

गोपेश्वर। सवोदय भवन गोपेश्वर में दशोली ग्राम स्वराज मंडल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और छात्राओं को तकली कातने और चरखा चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। उद्योग विभाग की ओर से बुनकर महिलाओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक अंजली रमन, सहायक प्रबंधक भरत भंडारी समेत गांधी आश्रम, खादी ग्रामोद्योग और दशोली ग्राम स्वराज मंडल से जुड़े लोग मौजूद रहे।

सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का दिया संदेश

गोपेश्वर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों व सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश दिया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में एडीएम विवेक प्रकाश ने गांधी और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। जीजीआईसी गोपेश्वर की छात्राओं ने हरघुणति राघव राजा रामहृ भजन प्रस्तुत किया। एडीएम ने कहा कि दोनों महापुरुषों का जीवन सत्य, अहिंसा, सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निर्देशन में पुलिस कार्यालय समेत सभी थाना-चौकियों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। पीजी कॉलेज गोपेश्वर में एनएसएस इकाई ने सफाई अभियान चलाया। प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने गांधी और शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला। पोखरी तहसील, थाना, लौनिवि, पीएमपीएसवाई, सीएससी और पीजी कॉलेज समेत विभिन्न संस्थाओं में भी जयंती मनाई गई।

वीकेंड पर जाम का वार, रेगते रहे वाहन लगातार

ऋषिकेश। लांग वीकेंड पर तीर्थनगरी में हाईवे और बाइपास मार्ग वाहनों से पट गए। नेपालीफार्म से नीराडू तक महज 20 किलोमीटर का सफर तय करने में करीब तीन घंटे लगे। हाईवे पर कारों की दो से तीन कतारें लगने से वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे। जाम में फंसी कई कारों की क्लच प्लेट फुटने की बात भी सामने आई। वाहनों की भारी भीड़ के सामने यातायात पुलिस की व्यवस्थाएं भी बेअसर नजर आईं। शुक्रवार तड़के से ही वाहनों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। दोपहर 12 बजे के बाद स्थिति और बिगड़ गई। श्यामपुर फाटक से श्यामपुर पुलिस चौकी और बाइपास पर इंद्रमणि बडोनी चौक तक दो कतारें लगी रही। श्यामपुर पुलिस चौकी से आईडीपीएल कैनाल, आईडीपीएल सिटी गेट, कोयलघाटी, पुरानी चुंगी, त्रिवेणीघाट चौक, चंद्रभागा पुल और खारस्रोत पीडब्ल्यूडी तिराहे तक वाहनों की कतारें लगी रहीं। वहीं इंद्रमणि बडोनी चौक से भद्रकाली पुलिस चौकी, ब्रह्मानंद मोड़, खारस्रोत ठेका और तपोवन तक भी वाहनों का दबाव बना रहा। हाईवे से आने वाले वाहनों को यातायात पुलिस घुमि की रैती की ओर से पीडब्ल्यूडी तिराहे से ब्रह्मानंद मोड़ की तरफ डायवर्ट किया गया लेकिन भद्रकाली से आने वाले वाहनों के दबाव के चलते स्थिति नहीं संभल पाई।

विकासनगर में ऑपरेशन प्रहार के तहत सघन वाहन चेकिंग, 30 वाहनों पर कार्रवाई

विकासनगर। आमजन की सुरक्षा एवं आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत कोतवाली विकासनगर पुलिस ने 2 अक्टूबर 2026 को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 30 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान रेस ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग, काली फिल्म, बिना हेलमेट, मॉडिफाइड साइलेंसर तथा दोषपूर्ण नंबर प्लेट समेत मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 3 दोषहिया वाहनों को सीज किया गया, जबकि 15 वाहनों के कोर्ट चालान किए गए। इसके अलावा 12 वाहनों के नगद चालान किए गए, जिनसे कुल 6,000 रुपये संयोजन शुल्क प्राप्त हुआ। कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा अन्य संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर भी



लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने और वाहन के दस्तावेज दुरुस्त रखने की अपील की है। पुलिस

ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध आगे भी सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला पंचायत में सरकारी फाइलें अभियंताओं के घर मिली

नैनीताल। जिला पंचायत में सरकारी फाइलें दफ्तर की जगह संविदा में तैनात दो अभियंताओं के घर में मिलीं। औचक निरीक्षण के दौरान हल्द्वानी स्थित निजी आवास से करीब 50-55 सरकारी पत्रावलियां मिलने से रिकॉर्ड व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया। यही नहीं, निरीक्षण टीम के कार्यालय पहुंचते ही रजिस्ट्रारों में अधूरी प्रविष्टियां भरने का सिलसिला शुरू हो गया। एक तरफ करोड़ों की सरकारी रकम खातों में पड़ी रही, दूसरी तरफ फाइलों और रिकॉर्ड का हिसाब-किताब ही दुरुस्त नहीं मिला। जिला पंचायत की इस तस्वीर ने पूरे कामकाज पर सवालिया निशान लगा दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे दोपहर करीब एक बजे

जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे। निरीक्षण शुरू होते ही रजिस्ट्रारों के रखरखाव में खामियां सामने आईं। अधिकारियों के मुताबिक कुछ रजिस्ट्रारों में रिकॉर्ड व्यवस्थित नहीं था और टीम की मौजूदगी में ही उनमें एंट्री की गई।

निरीक्षण का सबसे गंभीर बिंदु सरकारी पत्रावलियों का निजी आवास में पाया जाना रहा। अधिकारियों के अनुसार, संविदा अभियंता कमेलश सिंह बिष्ट और पंकज धपोला से संबंधित करीब 50-55 सरकारी पत्रावलियां हल्द्वानी स्थित आवास पर मिलीं। सरकारी फाइलें कार्यालय से बाहर किसकी अनुमति से गईं और उन्हें निजी आवास पर रखने की जरूरत क्यों पड़ी, अब जांच का विषय है।

पटेलनगर में चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र में सूया सोलर के गोदाम से तार के बंडल चोरी होने के मामले का दून पुलिस ने खुलासा करते हुए नौकर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए हेक्टेक्स तार के 7 बंडल और 22 गुच्छे कटे हुए तार बरामद किए हैं। बरामद माल की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 30 सितंबर 2026 को वादी अंकित चौहान, एफ़िसा सेल्स मैनेजर, सूया संसार ऑफिस पिथ्यूवाला, देहरादून ने पटेलनगर कोतवाली में तहरीर दी थी। तहरीर में बताया गया कि उनके सूया सोलर के गोदाम से नौकर जितन चौहान द्वारा तार के बंडल चोरी किए गए हैं। मामले में कोतवाली पटेलनगर में मु0अ0सं0 693/26, धारा 306 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

सीसीटीवी से जुटाई जाफ्तारी, चेकिंग के दौरान गिरफ्तारी

घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर पटेलनगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।



पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। पुलिस के मुताबिक, प्राप्त जानकारी और मुखबिर की सूचना के आधार पर 1 अक्टूबर 2026 को चेकिंग के दौरान निर्माणाधीन हाईवे के पास चंद्रबनी, पटेलनगर से

मुख्य आरोपी जितन चौहान समेत चोरी का माल खरीदने वाले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पृष्ठछाछ में आरोपी जितन चौहान ने पुलिस को बताया कि वह करीब दो वर्षों से वादी के कार्यालय में काम कर रहा था। ज्यादा पैसा कमाने के लालच में वह पिछले करीब 4-5 महीनों से गोदाम से तार के बंडल

चोरी कर कबाड़ीयों को कम कीमत पर बेच रहा था। पुलिस के अनुसार, जब मालिक को चोरी की जानकारी हुई और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया, तो आरोपी पहले चोरी किए गए तार के बंडलों को कबाड़ीयों को बेचकर अपने गांव भागने की फ़िरक में था।

किराये के कमरे में चल रहा था देह व्यापार का धंधा



ने उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए नौलकट एनक्लेव स्थित मकान में औचक छापेमारी की। पुलिस के अनुसार, मौके पर तीन महिलाएं, एक नाबालिग युवती और तीन

पुरुष मिले। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा नाबालिग युवती को रेस्क्यू किया। पुलिस की पृच्छाछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी मनीष

जयन्त

कुमार लखेड़ा ने मकान किराये पर लिया था। पुलिस के अनुसार, वह दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों से महिलाओं को बुलाकर कथित रूप से देह व्यापार संचालित करता था। पुलिस का दावा है कि आरोपी फोन और व्हाट्सऐप के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करता था तथा महिलाओं की तस्वीरें भेजकर ग्राहकों की मांग के अनुसार उन्हें अपने किराये के कमरे अथवा ग्राहकों द्वारा बताए गए स्थान पर भेजता था। मसुरी घुमाने के बहाने लाई गई नाबालिग पुलिस के अनुसार, रेस्क्यू की गई नाबालिग युवती को आरोपी अभिषेक दिल्ली से मसुरी घुमाने के बहाने देहरादून लेकर आया था। पुलिस का आरोप है कि देहरादून पहुंचने के बाद उस पर गलत काम के लिए दबाव बनाया गया। युवती द्वारा इनकार करने पर उसे कमरे में कथित रूप से बंधक बनाकर रखा गया।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र
उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

एशियाई खेल: भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण जीता

लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 1-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। साल 1982 के बाद इस स्पर्धा में पहली बार भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता है। भारत की ओर से फाइनल मैच का एकमात्र विजयी गोल लालेरम्मियामी हमारजोटे ने किया। उन्होंने मैच के पहले क्वार्टर में 10वें मिनट में यह गोल किया। भारत के लिए 2017 में डेब्यू करने वाली लालेरम्मियामी हमारजोटे का यह 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। चीन को मैच के 23वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला था पर इसे भारतीय गोलकीपर

सविता पुनिया ने रोक लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई कर लिया है। चार दशकों के अधिक के लंबे इंतजार के बाद यह टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। भारतीय टीम ने 10वें मिनट में ही मैच का एकमात्र गोल कर लिया था। इसके बाद अगले 50 मिनट तक चीन की टीम गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। फाइनल मुकाबले में बढ़त मिलने के बाद भारतीय टीम ने काफी अच्छा बचाव किया। चीनी खिलाड़ियों ने भारत की रक्षापंक्ति को तोड़ने की काफी कोशिश की लेकिन वह असफल रही।



एशियाई खेलों में भारत की महिला तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण जीता



-क़ुरती में दीपांशी हर्री

नगोया (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत की महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक पर निशाना साधा हालांकि क़ुरती में भारत की दीपांशी को कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी है। महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम में शामिल कुमकुम मोहोत, अंकिता भक्त और कीर्ति ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरियाई टीम टीम को हराया। भारतीय टीम की ओर से 17 वर्षीय युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोत ने जबरदस्त खेल दिखाया। कुमकुम ने संयम और सटीकता का परिचय देते हुए लगातार बेहतरीन शॉट लगाए और अंत में स्वर्ण पदक पक्का पर निशाना साधा। टीम में कुमकुम के साथ अंकिता भक्त ने अपने अनुभव और निरंतरता का बखूबी इस्तेमाल किया, जबकि कीर्ति ने भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान की। यह तीनों खिलाड़ियों के एकजुट प्रयास और तालमेल का ही परिणाम था, जिसने भारत को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई और देश

का मस्तक गर्व से ऊंचा किया।

एक ओर जहाँ तीरंदाजी में भारत ने सुनहरी सफलता हासिल की, वहीं क़ुरती में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में भारतीय पहलवान दीपांशी को जापान की दिग्गज महिला पहलवान यू सुसाकी ने हरा दिया। सुसाकी, जो एक अनुभवी और खिताबी दावेदार मानी जाती हैं, ने अपने अनुभव और आक्रामक दौंव-पेंच से दीपांशी पर भारी दबाव बनाया। दीपांशी ने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की, लेकिन जापानी पहलवान के विश्व स्तरीय प्रदर्शन के आगे वे टिक नहीं पाईं और मुकाबले में हार गईं।

हालांकि, दीपांशी के लिए अभी भी पदक की उम्मीदें पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। रसूलिंग में रिपेचेंज का नियम उन्हें कांय पदक जीतने का अवसर प्रदान कर सकता है। यदि जापानी पहलवान यू सुसाकी अपने शेष मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंचने में सफल रहती हैं, तो दीपांशी को रिपेचेंज दौर के माध्यम से कोशिश का ही परिणाम था, जिसने भारत को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई और देश

एशियाई खेल : लवलीना ने चीनी मुक्केबाज बाओ को हराकर स्वर्ण जीता

निशिओ (एजेंसी)। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। लवलीना ने महिलाओं के 75 किग्रा भारवर्ग में ये स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई को आसानी से हरा दिया। इससे भारत को इस संस्करण में 12वां स्वर्ण पदक मिला है।

लवलीना ने बाओ जियाई को 5-0 से जीत दिलायी। पिछले एशियाई खेलों में उन्हें रजत पदक मिला था। वहीं इस बार उन्होंने और बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस बार सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में ही लवलीना ने धीमी शुरुआत की पर उन्होंने धीरे-धीरे अपने प्रहारों को गति दी।



सेमीफाइनल में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कजाकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर फाइनल में जगह बनायी। खिताबी मुकाबले में उन्होंने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने सही समय का इंतजार किया और विरोधी पर बढ़त बनाए

रखने के लिए रणनीतिक रूप से जबरदस्त पंच जड़े। अंततः, उन्होंने इतने अंक अर्जित कर लिए कि वह तकनीकी रुप से बाओ से आगे निकल गयीं।

इस ऐतिहासिक जीत के साथ लवलीना एशियाई खेलों में दिग्गज मुक्केबाज मैरी कॉम के बाद स्वर्ण पदक

एशियाई खेल : मुक्केबाजी में परवीन ने स्वर्ण पदक जीता

नगोया । भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। परवीन ने महिलाओं की 65 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता । परवीन ने फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे की अनुभवी मुक्केबाज चैन निपन चिन को 3-2 से हराया। यह मुकाबला उनकी असाधारण प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम को दिखाता है। परवीन ने रिंग में अपनी चपलता, सटीक पंच और बेहतरीन बचाव का समन्वय दिखाया, जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़ी है । इस जीत के साथ, परवीन एशियाई खेलों में मुक्केबाजी का स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की तीसरी महिला मुक्केबाज बन गई हैं। इससे पहले मैरी कॉम ने साल 2014 में यह पदक जीता था। वहीं आज ही लवलीना बोरगोहेन ने भी चीनी मुक्केबाज को हराकर स्वर्ण पदक जीता । ये उपलब्धि भारतीय महिला मुक्केबाजी के बढ़ते कद और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को मजबूत करती है । लगातार दो स्वर्ण पदक भारतीय मुक्केबाजों के शानदार फॉर्म और उनकी तैयारी को दर्शाते हैं । शुक्रवार का दिन, 2026 भारत के लिए काफी अच्छा रहा । मुक्केबाजी के अलावा, तीरंदाजी में भी भारतीय टीमों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं । महिला रिकर्व टीम ने एक अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी की दुनिया में दक्षिण कोरियाई टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता । यह एशियाई खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजी टीम का पहला स्वर्ण पदक था । तीरंदाजी में भारतीय दल की सफलता यहीं नहीं रुकी । मिक्स्ट रिकर्व टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया, जबकि पुरुषों की रिकर्व टीम ने भी रजत पदक जीता ।

आईसीसी ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप में भारत-पाक को एक ही गुप में रखा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप को लेकर कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही गुप में रखा गया है। आईसीसी ने घोषणा की है कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही गुप में रहेंगे। 2027 के इस विश्व कप में कुल 14 टीमें रहेंगी। इसका प्रारूप भी पिछले संस्करणों से काफी अलग होगा, जो दर्शकों के लिए और भी रोमांचक अनुभव लेकर आएगा। विश्व कप की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को सुपर सीरीज से होगी, जिसमें तीन टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रारंभिक चरण से शीर्ष पर रहने वाली एक टीम मुख्य गुप स्तर में प्रवेश करेगी। इसके बाद, कुल 12 टीमें को दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह में छह-छह टीमें रहेंगी। हर टीम अपने समूह की बाकी सभी टीमें के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, जिससे गुप स्तर में ही कई रोमांचक मुकाबले होंगे। यह नया प्रारूप यह सुनिश्चित करेगा कि टीमें को अगले दौर में पहुंचने के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा और कोई भी मैच कम महत्वपूर्ण नहीं होगा। गुप स्तर के बाद, दोनों समूहों से शीर्ष तीन टीमें सीधे अगले राउंड में पहुंचेंगी। प्रशंसक अभी से इस मुकाबले की कल्पना कर रहे हैं और मैच के टिकटों की मांग आसमान छूने की उम्मीद है। यह केवल एक क्रिकेट मैच नहीं, बल्कि भावनाओं, उम्मीदों और गौरव का प्रतीक बन जाता है, जो खेल की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है। इस भव्य टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। इस दौरान कुल 57 मुकाबले 12 अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे।

रोहित और विराट ने आलोचकों को जवाब देने के साथ ही 2027 विश्व कप के लिए दावा ठोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल उठ रहे थे और कहा जा रहा था कि इन दोनों का समय अब निकल गया है और आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए इन्हें शामिल नहीं किया जाना चाहिये पर इन दोनों ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को करार जवाब दिया है। विराट और रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि अभी उनमें काफी फिटनेड बाकि है और वे विश्वकप के लिए तैयार हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अपने शतकीय प्रदर्शनों से इन दोनों ने साबित कर

दिया है कि उनमें अभी भी वही दमखम और जीत की भूख है, जो उन्हें शीर्ष पर बनाए रखती है। इसलिए उनकी विश्वकप के लिए दावेदारी को कमजोर समझना भूल होगा।

वेस्टइंडीज सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम पर भारी दबाव था। सीरीज के पहले एकदिवसीय में कोहली ने अपने चिर-परिचित अंदाज में 139 रनों की एक अविश्वसनीय नाबाद पारी खेली। इस पारी ने न केवल भारत को शानदार जीत दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया को यह भी दिखा दिया कि रनों की उनकी भूख अभी भी वैसी ही असीमित है, जैसे वे भारत दशक पहले थे। उनकी क्रीज पर मौजूदगी ने टीम

को स्थिरता और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा, जो एक अनुभवी बल्लेबाज ही कर सकता है। विराट की उस शानदार दहाड़ के बाद दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की धमकियां उड़ते हुए 101 रनों की आक्रामक, पारी खेली, जिसने पुराने रोहित की याद ताजा कर दी। उनके बल्ले से निकले छके और दर्शनीय पुल शॉट्स उनकी टाइटिंग स्पष्ट प्रमाण थे।

इन लगातार दो शतकों के साथ, रोहित और विराट ने यह साफ कर दिया है कि जब दबाव चरम पर होता है, तब अनुभव ही सबसे बड़ा हथियार

साबित होता है। भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर, जो अपने कड़े और परिणाम-उन्मुख फैसलों के लिए जाने जाते हैं, के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश है कि ये दोनों दिग्गज अभी अपनी उम्र के चरम पर नहीं पहुंचे हैं, बल्कि उनका खेल अभी भी शीर्ष स्तर पर है। इन जादुई पारियों के बाद यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि रोहित और विराट कोहली की निगाहें साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप पर पूरी दृढ़ता से टिकी हुई हैं। जिसे ये हर हाल में जीतना चाहते हैं। दोनों ने ही समय-समय पर कहा है कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है।



एशियाई खेल: बारिश के कारण क्रिकेट फाइनल रद्द हुआ तो दोनों टीमों बनेंगी संयुक्त विजेता

निश्िन (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच शनिवार को यहां के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में होने वाले खिताबी मुकाबले का लोग बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसक हालांकि फाइनल से ठीक पहले बारिश की आशंका से डरे हुए भी हैं। वह चाहते हैं कि बारिश न हो और उन्हें एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिले। ऐसे में अगर बारिश की वजह से मैच शुरू ही नहीं हो पाता या बिना किसी परिणाम के रद्द हो जाता है, तो सवाल उठता है कि स्वर्ण पदक किये मिलेगा?

वहीं एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट फाइनल के लिए बने विश्व नियमों के अनुसार अगर यह महामुकाबला पूरी तरह रद्द हो जाता है और मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता, तो भारत और पाकिस्तान दोनों टीमों को संयुक्त



रूप से स्वर्ण दिया जाएगा।

यह नियम 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में लागू रहा गया है। हांगझोउ में भारत और अफगानिस्तान के बीच पुरुष क्रिकेट का फाइनल बारिश की वजह से पूरा नहीं हो सका था। उस समय नियम के अनुसार, बेहतर टी20

शेंकंग के आधार पर भारत को स्वर्ण पदक मिला था। इस बार फाइनल के लिए कोई रिजर्व डे नहीं रखा गया है। यही कारण है कि अगर मैच वाले दिन बारिश की वजह से मुकाबला नहीं हो पाता, तो दोनों फाइनलिस्ट टीमों को संयुक्त रुप से स्वर्ण पदक दिया जाएगा। आयोजन समिति

भारतीय क्रिकेट टीम 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इसी माह सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के अलावा टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम का ये दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से शुरू होगा। जो 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा

टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर मेजबान कीवी टीम भी इस सीरीज को लेकर तैयारियों में लगी है। टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि भारत

निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फॉर्मेट में एक सफल मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों की लेकर तैयारियों में लगी है। टीम के और तेज गेंदबाजों के अनुरूप होती हैं।

सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बॉल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी। फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की।

चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से लिया संन्यास



मुम्बई (एजेंसी)। लोग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इससे लाल गेंद के प्रारूप में खेलने का उनका सपना भी अधूरा रह गया है। चहल ने हालांकि कहा है कि उनके एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीदें अभी भी बरकरार हैं।

चहल ने अपनी इस घोषणा को सोशल मीडिया के जरिये साझा किया, जहां उन्होंने इस प्रारूप के साथ अपने गहरे जुड़ाव को बताया। उन्होंने लिखा कि लाल गेंद क्रिकेट उनके लिए केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक पाठशाला थी जिसने उन्हें धैर्य, समर्पण और मुश्किलों से उबरने की क्षमता सिखाई। मैदान पर घंटों जुड़ने और टेस्ट मैच के लिए तैयारी करने के संघर्ष को उन्होंने अपने खेल जीवन का एक अलग ही आनंद बताया, जो उनकी खेल भावना का अभिन्न अंग बन गया।

इस भावुक संदेश में, चहल ने कहा कि हमेशा टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू न कर पाने का उन्हें दुख रहेगा। उन्होंने साथ ही कहा, चाहे टेस्ट खेलने का मेरा यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन मैं अपने इस यादगार सफर से बेहद खुश हूं और इस फॉर्मेट में मिले हर एक अवसर और अनुभव के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह उनके क्रिकेट करियर का एक महत्वपूर्ण, फिर भी

अधूरा पहलू रहा।

हालांकि, चहल ने साफ तौर पर यह भी बताया कि उनका क्रिकेट करियर अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने केवल फर्स्ट-क्लास फॉर्मेट को अलविदा कहा है और वह अब भी एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में सक्रिय बने रहेंगे। उनका भारतीय टीम की ओर से सीमित ओवरों के प्रारूपों में खेलने का सपना अभी भी बरकरार है और वह इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, टीम इंडिया के लिए खेलने की भूख मेरे अंदर अभी भी उतनी ही तीव्र है जितनी पहले थी। मुझे पुरा विश्वास है कि मेरे भीतर अभी काफी क्रिकेट बचा हुआ है और मैं एकदिवसीय तथा टी20 में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और समर्पण से प्रयास करूंगा। उनका यह बयान भविष्य के प्रति उनकी दृढ़ता और खेल के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है।

चहल के फर्स्ट-क्लास करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने 49 मैचों में कुल 148 विकेट हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, सफेद गेंद के क्रिकेट में वह अपने प्रमुख स्पिनरों में से एक रहे हैं, जिन्होंने 72 एकदिवसीय मैचों में 121 विकेट और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 96 विकेट लिए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित ये बदलाव इस माह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हुए हैं लागू

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कई बड़े बदलाव किये हैं ये नए नियम इस माह से लागू भी हो गये हैं। वहीं पहले से जारी सीरीज में पुराने नियमों का पालन किया जाएगा। इन बदलावों में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय समय की बर्बादी रोकने के लिए लागू की गई रनों की पेनल्टी है, साथ ही टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का दायल भी शामिल है। अब बल्लेबाज को एक गेंद खेलने के बाद अगली गेंद के लिए तय समय सीमा के भीतर तैयार रहना होगा। इस नियम के उद्देश्य पर पहली बार चेतावनी दी जाएगी, दूसरी बार अंतिम चेतावनी और तीसरी बार नियम तोड़ने पर फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी सन मिलेंगे। इसके बाद हर बार नियम तोड़ने पर विपक्षी टीम को 5 रन का फायदा होगा। यह नियम बेवजह की देरी को रोककर मैच को समय पर समाप्त करने में मदद करेगा। एक बड़े बदलाव के तहत, दिन में होने वाले टेस्ट मैचों में अब टीमें दायल के तौर पर गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर सकेंगी। यह दायल दोनों टीमों की सहमति पर निर्भर करेगा। इसका लक्ष्य खराब रोशनी के कारण समय से पहले मैच खत्म होने की स्थिति से बचना है। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए गेंद के आकार और वजन को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं, जिसके तहत गेंद का वजन 142 से 149 ग्राम और परिधि 21.5 से 22 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए। ओवरशो के नियम को भी और स्पष्ट किया गया है; अब इसे केवल तभी ओवरशो माना जाएगा जब फील्डर रन रोकने या बल्लेबाज को रन-आउट करने के उद्देश्य से गेंद को स्टंप्स की तरफ फेंकेगा। मिसफील्डिंग को अब ओवरशो नहीं माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक को पूरी तरह स्थिर मानने के लिए अब उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना अनिवार्य नहीं होगा, जिससे अपायर को करीबी मुकाबलों में बेहतर नियंत्रण लेने का अधिकार मिलेगा। स्टंपिंग या रन-आउट के समय फील्डर का गेंद पर पूर्ण नियंत्रण होना जरूरी होगा। यदि गेंद केवल फील्डर को छूती हुई स्टंप्स पर लगती है, तो इसे नियंत्रण में नहीं माना जाएगा। टेस्ट मैच में दिन के खेल के आखिरी ओवर से जुड़ा नियम भी बदला है; अब यदि आखिरी ओवर में विकेट गिरता है, तो भी पूरा ओवर खेला जाएगा, दिन का खेल तुरंत समाप्त नहीं होगा। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इनिंग ब्रेक का समय 15 मिनट निर्धारित किया गया है, हालांकि समय नुकसान होने पर इसे 10 मिनट तक घटाया जा सकता है। एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में तय ड्रिंस ब्रेक के दौरान अब हेड कोच या उनके चयनित प्रतिनिधि मैदान पर आ सकेंगे। वाइड बॉल का नियम अब स्थायी रूप से एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में शामिल कर लिया गया है, जिसमें वाइड का निर्णय गेंद फेंके जाने के समय बल्लेबाज की पैरों की स्थिति के आधार पर होगा, भले ही बल्लेबाज बाद में अपनी स्थिति बदल ले।

बाकू में फीफा अंडर- 15 विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगी भारतीय टीम

बाकू । विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अजरबैजान के बाकू में इसी माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर -15 विश्व कप और फेरिस्टवल अजरबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। ये टूर्नामेंट 22 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम एगु के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय संच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेंगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।, इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमों भाग ले रही है। ये 32 अलग-अलग गुपों में बंटी हुई है।